पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री ने क्रिसमस समारोह में भाग लिया

लखनऊः 26 दिसम्बर, 2014

क्रिसमस पर्व के अवसर पर कैथेड्रल ग्राउन्ड में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक व मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया तथा क्रिसमस की बधाई दी। क्रिसमस समारोह में मौलाना कल्बे सादिक, श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी, श्री अम्मार रिज़वी तथा विधायक श्री पीटर पैंथम भी उपस्थित थे।

राज्यपाल, श्री राम नाईक ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि ईसा मसीह का जीवन मानवता का परिचायक है। क्रिसमस पर्व शांति, सद्भाव, भाईचारा, करूणा एवं आत्मीयता का संदेश देता है। यीशु का संदेश है कि आपस में प्रेम से रहना चाहिए, जो दुःखी हों उनकी सहायता करनी चाहिए। सभी धर्मों के पर्व पूरे समाज के पर्व हैं। सबको साथ लेकर चलना ही भारतीय संस्कृति है। मन को शांति तब मिलेगी जब समाज में शांति हो। छोटे दिल वाले तेरा और मेरा करते हैं लेकिन उदार चरित वाले लोग पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। यही हमारी संस्कृति है। उन्होंने कहा कि आपस में प्रेम व सद्भाव होना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में ईसाई समुदाय का अभूतपूर्व योगदान है। उनके द्वारा संचालित शिक्षण संस्थान अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि सन् 2000 में मुम्बई में उन्होंने ईशा मसीह पर एक डाक टिकट भी जारी किया था। ईसाई समुदाय से उनके सदैव बडे अच्छे संबंध रहे हैं। जब उन्हें कैंसर हुआ था तो वसई, मुम्बई के सभी चर्च में उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना हुई थी तथा मुम्बई के बिशप ने उनके लिए वेटिकन सिटी (रोम) में प्रार्थना की थी। उनके अमृत महोत्सव के अवसर पर 'कर्मयोद्धा - राम नाईक' पुस्तक में ब्रदर एलेक्जेन्डर जेवियर, फादर फ्रान्सिस दिब्रेटो, बिशप थामस डाबरे ने अपने लेख में उन्हें 'क्रूसेडर आफ पीस' की पदवी दी थी तथा यह भी लिखा कि 'ही इज टाॅवर आफ स्टेैन्थ टू अस', जिसके लिए वे आज भी आभारी हैं। ईसाई समुदाय द्वारा मुम्बई के वसई में दिया गया प्यार व सम्मान वे कभी नहीं भूल पायेंगे मगर लखनऊ में आज जो उन्हें प्यार व सम्मान मिला है वह उनकी पूंजी होगी।

मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में क्रिसमस का त्यौहार खुशी और उत्साह से मनाया जाता है। भारत में अलग-अलग धर्म के लोग रहते हैं और सब मिलकर क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं। दूरियों को कम करना यहीं त्यौहार का संदेश होता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्म के लोग मिलकर साथ रहते हैं तो अच्छा संदेश जायेगा।

मुख्यमंत्री ने ईसाई समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को सराहते हुए कहा कि समाज पढ़ा लिखा बनेगा तभी बढेगा। उन्होंने बताया कि उनकी शिक्षा कान्वेन्ट स्कूल में हुयी है और उनके परिवार के बच्चे भी ऐसी ही शिक्षण संस्थाओं में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

इस अवसर पर बिशप जेराल्ड जे0 मथाइस ने कहा कि ईसा मसीह पूरे विश्व के हैं। महात्मा गांधी, ईसा मसीह के जीवन और उनकी शिक्षाओं से बहुत प्रभावित थे। ईसा मसीह शांति के राजा हैं। आज समाज में शांति

और प्रेम की स्थापना की जरूरत है। समारोह में क्रिसमस कैरोल गाये गये तथा सेन्ट फ्रांसिस स्कूल, ठाकुरगंज, लखनऊ के विशेष बच्चों ने, जो बोल व सुन नहीं सकते थे, नृत्य पेश किया।